भगवत-गीता धाम

अध्यात्म और भगवत-गीता को केंद्र में रख कर संपूर्ण आर्थिक-शैक्षणिक-सांस्कृतिक पुनर्निर्माण का केंद्र

एक महान सभ्यता—भारतीय सभ्यता—तेजी से नष्ट हो रही है. पश्चिमी सभ्यता के थपेड़ों के बीच नई पीढ़ियों का संबध उन महान पुस्तकों और संस्कारों से छूटता जा रहा है, जिन्होंने हजारों सालों तक महान चरित्र गढ़े थे. इस सभ्यता और संस्कृति को बचाने की जरूरत है. आइए, हर पंचायत, कस्बे और शहर के लोग मिल-जुल कर अपने यहाँ एक गीता-धाम या गीता-कुंज का निर्माण शुरू करें, जो सनातन सभ्यता के महान तत्त्वों को फिर से जीवित करें, और साथ ही दरिद्रता और अज्ञान के अभिशाप से भी सबों को मुक्त करते हुए अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष—इन चारों फलों को फिर से जन-जन को उपलब्ध कराने लगें. गीता-कुंज गीता-धाम का ही छोटा और सुकर ग्रामीण संस्करण है, जो फूस और मिट्टी की दीवारों से भी बन सकता है. आइए, गीता-धाम और गीता-कुंज के साथ-साथ हर घर में भगवत-गीता प्रकाशन की समतावादी, जाति-निरपेक्ष, लिंग-निरपेक्ष सुबोध गीता और रामायण पहुँचाना शुरू करें, जो अब घरों से विलुप्त होने लगे हैं. गीता-धाम और गीता-ग्राम क्या हैं, यह पीछे के पृष्ठ पर पढ़ें. अधिक जानने के लिए भारतीय चेतना केंद्र की वेबसाइट पर जाएँ.

नाटक, नृत्य, रामलीला एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मुक्ताकाश मंच. निःशुल्क विवाह मंडप के लिए स्थान.

गीता-मंदिर के अंदर ध्यान, संकीर्तन, भक्ति-नृत्य, अध्यात्म चर्चा एवं साप्ताहिक धार्मिक सम्मिलन का केंद्र.

गरीबी-निवारण एवं रोजगार केंद्र. गीता धाम में नियमित आने वाला कोई व्यक्ति गरीब नहीं रहे यह केंद्र सुनिश्चित करेगा.

गीता-धाम क्या है | गीता-ग्राम क्या है

गीता-धाम (और इसका छोटा संस्करण गीता-कुंज) प्रत्येक गाँव-पंचायत-शहर में अध्यात्म और भगवत-गीता को केंद्र में रख कर संपूर्ण आर्थिक-शैक्षणिक-सांस्कृतिक पुनर्निर्माण का केंद्र है जो जीवन के चारों फलों या पुरुषार्थों—अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष—के लिए लोगों को तैयार और प्रशिक्षित करने का एक उद्यम है. गीता-ग्राम वह ग्राम है जहाँ कम-से-कम 70 प्रतिशत घरों में गीता पहुँच गयी हो, और उसका नित्य पाठ शुरू हो गया हो.

प्रत्येक गीता-धाम में निम्नलिखित प्रमुख संरचनाएँ होंगी –

1) गीता-मंदिर—इसमें गीता गुरु-ग्रंथ के रूप में स्थापित होगी. यह मंदिर भगवत-गीता पर आधारित भगवत-धर्म का प्रचार करेगा और मनुष्य--निर्माण का कार्य करेगा. यह ध्यान-योग केंद्र होगा और संकीर्तन और भक्ति-नृत्य का भी केंद्र होगा. अध्यात्म-चर्चा, ज्ञान-चर्चा भी यहाँ हुआ करेगी. साप्ताहिक धर्म-सम्मिलन यहीं होंगे. यह दो पुरुषार्थों—**धर्म** और **मोक्ष** प्रदान करने के वायदे को पूरा करने के लिए उत्तरदायी होगा.

2) रोजगार-केंद्र—गीता-धाम परिसर में एक रोजगार-केंद्र होगा, जहाँ रोजगार की जानकारी और रोजगार का प्रशिक्षण मिलेगा. गीता-धाम यह सुनिश्चित करेगा कि यहाँ आने वाला कोई भी आस-पास के क्षेत्रों में दो-तीन वर्षों में गरीब नहीं बचे. 'अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष' में से **अर्थ** या धन प्रदान करने का कार्य गीता-धाम के अन्दर का यह रोजगार-केंद्र करेगा.

3) संपूर्ण शिक्षा-केंद्र—यहाँ विडियो के माध्यम से किसानों को खेती-से-लखपति बनाने के गुर सिखाये जायेंगे, महिलाओं को गृह-उद्योग, और बच्चों को भौतिकी, रसायनशास्त्र से ले कर अंग्रेजी, स्थानीय भाषा और संस्कृत तथा सम्पूर्ण व्यक्तित्व-विकास के सिद्धांत सिखाये जायेंगे. ये सभी संरचनाएं उस आदर्श की ओर ले जायेंगी, जो है –"नहिं दरिद्र कोऊ दुखी न दीना, नहिं कोऊ अबुध न लच्छन हीना." यह शिक्षा केंद्र 'नहिं कोऊ अबुध न लच्छन हीना' का राम-राज्य का वायदा पूरा करेगा.

4) स्वास्थ्य-केंद्र —यहाँ प्राथमिक चिकित्सा, रक्त-चाप की जाँच, शुगर की जाँच, आँखों की जाँच इत्यादि की भी सुविधाएं रहेंगी. योग, प्राकृतिक चिकित्सा और टेलीमेडिसिन की भी व्यवस्था रहेगी.

आप क्या कर सकते हैं

- शहर में गीता-धाम के लिए, और गाँव में गीता-कुंज के लिए जमीन दान दें.
- 20 करोड़ घरों में निःशुल्क / लागत मूल्य पर वितरण के लिए गीता का विशेष सरल संस्करण छपवाने के लिए योगदान करें. (प्रति कॉपी 50 रु. | 100 copies: Rs. 5,000; 500 copies: Rs. 25,000; 1000 copies: Rs. 50,000; 5000 copies: Rs. 2,50,000; 10,000 copies: Rs.5,00,000)
- शहर में गीता-धाम या गाँव में गीता कुंज निर्माण के लिए संसाधन प्रदान करें.
- अगर आप 50 साल के ऊपर हो कर वानप्रस्थ आश्रम (अर्द्ध-संन्यास आश्रम) में प्रवेश कर चुके/चुकी हैं, तो अर्द्ध-संन्यासी के रूप में विशेष गेरुआ वस्त्रों में गीता-धाम या गीता-कुंज में चार से दस घंटे की सेवा दें.
- अपने गाँव या मोहल्ले में गीता-कुंज निर्माण की जिम्मेवारी लें.
- अगर आपका घर बड़ा है, तो उसे गीता-निलयम बना कर उसे भगवत-धर्म की साप्ताहिक सभा और गीता-ज्ञान में प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध करें.

अपना योगदान चेक, ड्राफ्ट या इलेक्ट्रोनिक फंड ट्रांसफर के माध्यम से निम्नलिखित खातों में डाल सकते हैं—

गीता-धाम या गीता कुंज निर्माण के लिए— Bhagavad Gita Dham, SBI Acct no. 37054831938, IFSC Code SBIN0000207, Branch SBI Hatia, Ranchi |

गीता मुफ्त वितरण के लिए, और लागत मूल्य पर उपलब्ध कराने हेतु, छपवाने के लिए—Bhagavad Gita Prakashan SBI Acct No. 36914806212, IFSC Code SBIN0000207, Branch Hatia, Ranchi.

भारतीय चेतना केंद्र न्यास | Bharatiya Chetna Kendra Trust

Web: www.bharatiyachetna.org | Email: bharatiyachetna@gmail.com

M: +91 7677184040 | +91 8252667070